दुर्घटनाएं

पान की दुकान के पास खड़े लोगों को मारी टक्कर, युवक की मौके पर मौत

बेकाबू स्कॉर्पियो ने लोगों को रौंदा, एक की मौत, 3 घायल

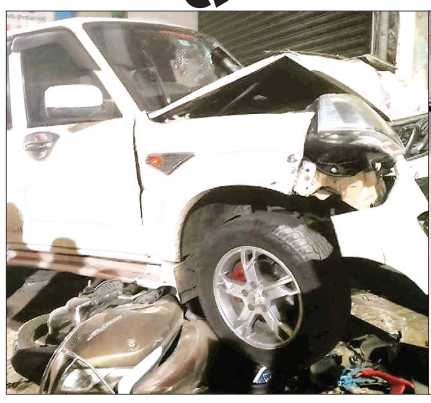

मंडला। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बस स्टैंड के पीछे कलेक्ट्रेट कॉलोनी की गली में शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। रात करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने पान की दुकान के पास खड़े लोगों और वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों बताया कि बस स्टैंड की ओर से आ रही स्कॉर्पियो जिसे चालक अभिषेक मरावी, निवासी देवरी नारायणगंज अत्यधिक गति में चला रहा था। रहवासी क्षेत्र के तिराहे पर स्थित पान की दुकान के पास चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका और तेज रफ्तार में सीधे पान की दुकान के बाजू में आकर भिड़ गया। इसी स्थान पर वहां खड़े लोगों और चार दोपहिया वाहनों को रौंद दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो का बोनट के परखच्चे उड़ गए और दोपहिया वाहन चकनाचूर हो गए।

बताया गया कि इस दुर्घटना में शनील निखर निवासी राधा कृष्ण वार्ड, मंडला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं आसिफ हुसैन 40 वर्ष के सिर, पसली और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। राहुल कछवाहा 35 वर्ष का पैर भी बुरी तरह जख्मी हुआ है। एक अन्य युवक को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद स्कॉर्पियो में सवार दो अन्य युवक मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि ये लोग अस्पताल में किसी परिजन की डिलीवरी के सिलसिले में आए थे।

मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस

हादसे के बाद चालक वाहन से बाहर निकला, जिसे वहां मौजूद लोगों ने भागने से रोक लिया। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को हटाकर थाने पहुंचाया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। देर रात हुई इस घटना से बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए थे।

नेशनल हाईवे पर चलते ट्राला में लगी आग, मची अफरा-तफरी, चालक ने कूदकर बचाई जान

कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे-30 पर रविवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। फूलसागर के पास स्थित वेलवेदर स्कूल के सामने मोड़ पर शाम करीब 5 .30 बजे एक चलते ट्राला में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा वाहन आग के गोले में तब्दील हो गया। गनीमत रही कि आग भड़कते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन से छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्राला सामान्य गति से चल रहा था, इसी दौरान अचानक उसके केबिन से धुंआ उठने लगा और पल भर में आग पूरे वाहन में फैल गई। हाईवे पर इस मंजर को देखकर राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना तत्काल जिला मुख्यालय और दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही जिला मुख्यालय से दमकल वाहन मौके पर पहुँचा और आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक ट्राला पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है, प्राथमिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को वजह माना जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर यातायात व्यवस्था को संभाला और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि न होना बड़ी राहत की बात रही।

पेड़ से टकराकर खाई में अटकी टूरिस्ट ट्रैवलर, 12 जिंदगियां बाल-बाल बचीं

नारायणगंज/बाबादेवरी। नेशनल हाईवे-30 पर नारायणगंज के समीप बाबादेवरी मोड़ पर रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा होते-होते टल गया। एक तेज रफ्तार ट्राला की लापरवाही के कारण यात्रियों से भरी टूरिस्ट ट्रैवलर अनियंत्रित होकर हाईवे मार्ग से नीचे खाई में जा गिरी। गनीमत यह रही कि वाहन एक बड़े पेड़ से टकराकर रुक गया, जिससे उसमें सवार करीब 12 यात्रियों की जान बच गई। यदि पेड़ का सहारा न मिलता तो वाहन सीधे खाई में समा जाता, जिससे भारी जनहानि हो सकती थी। जानकारी अनुसार टूरिस्ट ट्रैवलर वाहन मलाजखंड से मंडला होते हुए जबलपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान बाबादेवरी मोड़ पर जबलपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्राला ने अचानक नियम विरुद्ध तरीके से अपनी विपरीत दिशा में मोड़ लिया। अपनी सही दिशा में चल रहे ट्रैवलर चालक ने ट्राला से सीधे टकराव को बचाने की कोशिश की, लेकिन इस प्रयास में वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह मार्ग के नीचे खाई में जा गिरा।

हादसे में 4 घायल, 2 की हालत गंभीर- इस दुर्घटना के समय ट्रैवलर में करीब 12 लोग सवार थे। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़े। हादसे में कुल चार लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत काफी नाजुक बताई जा रही है। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना टिकरिया पुलिस को दी। बताया गया कि हादसे में 12 लोगों में अनिल सोनी 67 वर्ष निवासी मलाजखंड, दिव्या वेदा पिता लक्ष्मी चंद 43 वर्ष, निवासी मलाजखंड, यूनुस जिलानी पिता एआर जिलानी 49 वर्ष निवासी मलाजखंड और साजिया जिलानी पति यूनुस जिलानी 44 वर्ष निवासी मलाजखंड घायल हुए। घायलों में यूनुस और साजिया को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रैफर किया गया है। हादसे के वक्त डायल 112 के आरक्षक राम मसकरे और पायलट पवन साहू किसी अन्य दुर्घटना की सूचना पर भावल की ओर जा रहे थे। रास्ते में बाबादेवरी के पास भीड़ और खाई में गिरे वाहन को देखकर पुलिसकर्मियों ने तत्काल अपनी गाड़ी रोकी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जवानों ने अन्य वाहन का इंतजार करने के बजाय ग्रामीणों की मदद से घायलों को अपनी ही डायल 112 वाहन से तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज पहुँचाया।

बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दो गंभीर रूप से घायल यूनुस और साजिया की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। वहीं अन्य दो घायलों का उपचार स्थानीय अस्पताल में जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों ने डायल 112 के आरक्षक और पायलट की तत्परता और मानवीय दृष्टिकोण की जमकर सराहना की है, जिनकी वजह से घायलों को गोल्डन ऑवर में इलाज मिल सका। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनएच-30 पर पेड़ से टकरा कर पलटा डंपर, चालक फरार

हाईवे में भावल के पास हुआ हादसा, टली बड़ी अनहोनी

भावल। नेशनल हाईवे-30 पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ग्राम भावल के समीप एक तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस दुर्घटना में गनीमत यह रही कि डंपर मार्ग किनारे लगे एक बबूल के पेड़ से जा टकराया, जिसने डंपर को थाम लिया और एक बड़ी संभावित घटना टल गई। हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

जानकारी अनुसार डंपर जबलपुर की ओर से मंडला की तरफ आ रहा था। बताया गया है कि वाहन में मंडला के ग्राम आमानाला में चल रहे निर्माण कार्य के लिए सामग्री लोड थी। जैसे ही डंपर ग्राम भावल के पास पहुँचा, चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और डंपर सड़क से नीचे उतरकर पेड़ से टकराते हुए पलट गया। बताया गया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना को अंजाम देने के बाद डंपर का चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिस और डायल 112 ने संभाला मोर्चा- हादसे की जानकारी तत्काल थाना टिकरिया पुलिस और डायल 112 को दी गई। सूचना मिलते ही डायल 112 में तैनात आरक्षक राम मसकरे और पायलट पवन साहू तत्काल मौके पर पहुँचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस टीम ने सबसे पहले यह सुनिश्चित किया कि वाहन में कोई फँसा तो नहीं है।

सुपरवाइजर को दी गई सूचना- जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि डंपर मंडला के ग्राम आमानाला में चल रहे निर्माण स्थल की ओर जा रहा था, जिसके बाद संबंधित विभाग के सुपरवाइजर को घटना की जानकारी दी गई। सूचना पाकर सुपरवाइजर भी मौके पर पहुँचे। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। हाईवे पर पलटे डंपर को हटाने की कार्यवाही भी की जा रही है ताकि यातायात प्रभावित न हो।

सड़क को बनाया निजी पार्किंग, विरोध पर मिली मौत की धमकी

- नारायणगंज में बीच सड़क पर अवैध कब्जा और गंदगी से लोग बेहाल, थाने पहुंचे कॉलोनीवासी

नारायणगंज। नारायणगंज मुख्यालय की सागर कॉलोनी के समीप पड़रिया पंचायत के वार्ड क्रमांक 12 में एक व्यक्ति की मनमानी ने कॉलोनीवासियों का जीना मुहाल कर दिया है। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति ने सार्वजनिक सड़क को अपनी निजी पार्किंग और पानी निकासी का जरिया बना लिया है, जिससे क्षेत्र में रोजाना तनाव और विवाद की स्थिति बन रही है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि उक्त व्यक्ति कभी घर का गंदा पानी सड़क पर बहा देता है, तो कभी बीच रास्ते में वाहन खड़ा कर आवागमन बाधित कर देता है। इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत ने नोटिस भी जारी किया, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। जब कॉलोनीवासियों ने विरोध किया, तो उन्हें अपशब्द कहे गए और जान से मारने की धमकियां तक दी गईं।

थाना टिकरिया में दर्ज कराई शिकायत

संबंधित व्यक्ति के अड़ियल रवैये और धमकियों से तंग कॉलोनीवासी एकजुट होकर थाना टिकरिया पहुँचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क से अवैध कब्जा हटाकर गंदा पानी बहाने पर रोक लगाई जाए जिससे आमजन को सुरक्षा और राहत मिल सके। अब क्षेत्रवासियों को पुलिस और प्रशासन की ठोस कार्रवाई का इंतजार है।

तीन पीढ़ियों से काबिज ग्रामीणों को मिला बेदखली का नोटिस

कोरगाँव के ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई सुरक्षा की गुहार, कहा-उजड़ जाएगी रोजी-रोटी

कौरगांव। जिला मुख्यालय के समीप स्थित ग्राम पंचायत कोरगाँव में इन दिनों सन्नाटा और डर का माहौल है। यहाँ के लगभग 100 परिवार जो मालगुजारी के समय से यानी पिछली तीन पीढ़ियों से खसरा नंबर 508, 50, 409 और 1086 की भूमि पर काबिज हैं, उनके सामने अब बेघर होने का संकट खड़ा हो गया है। जिला प्रशासन द्वारा इस सिंचित और उपजाऊ भूमि पर सरकारी निर्माण कार्य कराने के लिए चयन किया गया है, जिसके चलते ग्रामीणों को भूमि छोड़ने का नोटिस थमा दिया गया है।

पीड़ित ग्रामीणों का कहना है कि वे वर्षों से यहाँ रहकर खेती-किसानी के जरिए अपना और अपने बच्चों का पेट पाल रहे हैं। इनमें से किसी भी परिवार के पास 50 डिसमिल से अधिक भूमि नहीं है। इसी छोटी सी खेती में वे सब्जी और थोड़ा-बहुत अनाज उगाकर अपना जीवन यापन करते हैं। विडंबना यह है कि शासकीय भूमि पर काबिज होने के कारण इन परिवारों को आज तक प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल सका है। जैसे-तैसे कच्चे मकानों और झोपड़ियों में गुजर-बसर कर रहे इन लोगों पर अब प्रशासन की गाज गिर गई है।

उपजाऊ भूमि को छोड़ बर्रा या बंजर भूमि का करें चयन

ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस भूमि का चयन सरकारी निर्माण के लिए किया गया है, वह पूरी तरह उपजाऊ और सिंचित है। यह भूमि वर्तमान में 100 से अधिक परिवारों की आजीविका का एकमात्र सहारा है। ग्रामीणों का तर्क है कि यदि प्रशासन चाहे तो क्षेत्र की किसी भी अन्य बर्रा या पड़त (बंजर) भूमि का चयन सरकारी निर्माण के लिए कर सकता है। इससे शासन का कार्य भी संपन्न हो जाएगा और गरीब परिवारों का आशियाना उजड़ने से भी बच जाएगा।

प्रशासन से न्याय की मांग

नोटिस मिलने के बाद से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश और चिंता है। प्रभावित परिवारों ने जिला प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि उन्हें इस भूमि से बेदखल किया गया, तो उनके पास न तो रहने के लिए छत बचेगी और न ही पेट पालने के लिए कोई साधन। अब देखना होगा कि प्रशासन इन भूमिहीन और छोटे किसानों की पुकार सुनकर क्या बीच का रास्ता निकालता है, जिससे विकास के साथ-साथ मानवता की रक्षा भी हो सके।

ओडिशा से आई सात किलो गांजे की खेप पकड़ाई, 3 .60 लाख का गांजा बरामद

- 3 महिलाओं समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। तिलवारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने गढ़ा रेलवे स्टेशन के पास घेराबंदी कर ओडिशा के एक बड़े गिरोह को दबोचा है, जो भारी मात्रा में गांजा लेकर शहर में सप्लाई करने पहुंचे थे। गिरफ्तार आरोपियों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। जिनके कब्जे से 7 किलो 206 ग्राम गांजा करीब 3 लाख 60 हजार 300 रुपये का जप्त किया गया है।

थाना प्रभारी तिलवारा बृजेश मिश्रा ने बताया कि क्राईम ब्रांच एवं तिलवारा थाना की संयुक्त टीम ने रेल्वे स्टेशन गढ़ा से लगे हुये चाय के ठेला के पास घेराबंदी की। तीन पुरूष एवं तीन महिलायें जो अपने हाथों में बैग लिये थीं जो पुलिस को देखकर घबराकर जाने लगे, आचरण संदिग्ध प्रतीत होने से भुवनेश्वर कुम्भार पिता कुशमत कुम्भार 29 वर्ष निवासी बेंडर थाना हरिशंकर रोड जिला बलांगीर उड़ीसा, फगनु मांझी पिता लालू मांझी 27 वर्ष निवासी डेडसुली थाना मदनपुर रामपुर जिला कालाहांडी उड़ीसा, सुनप हरिजन पिता सुन्दु हरिजन 29 वर्ष निवासी डेडसुली मदनपुर रामपुर जिला कालाहांडी उडीसा, काजल मांझी पिता लुकेश्वर मांझी 30 वर्ष निवासी गंगापदर थाना तुमडीबंद जिला कंदोमल उडीसा, तपसनी दिगाल पति आलोक दिगाल 35 वर्ष निवासी जोगरमहा दरिंगबडी जिला कंधमाल उडीसा, मनिनी दिगाल पति सुनप हरिजन 25 वर्ष निवासी डेडसुली मदनपुर रामपुर जिला कालाहांडी उडीसा को रोका गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत उनके पास रखे बैगों की तलाशी लेने पर तीनों पेकटों में 7 किलो 206 ग्राम गांजा कीमती लगभग 3 लाख 60 हजार 300 रूपये का होना पाया गया।

विषैला पदार्थ खा लेने से प्रभावित बच्चों से मिले कलेक्टर

रमखिरिया/छपराटोला। नवागत कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने पदभार ग्रहण करने के दिन ही जिला चिकित्सालय पहुंचे। यहाँ उन्होंने सबसे पहले मोहगांव क्षेत्र के ग्राम रमखिरिया के छपराटोला की आंगनबाड़ी केंद्र के विषैला पदार्थ खा लेने से बीमार हुए बच्चों और उनके परिजनों से मिलकर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। वार्ड में उपस्थित शिशु रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बताया कि भर्ती किये गए सभी बच्चों की स्थिति पूरी तरह सामान्य है। कलेक्टर ने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि बच्चों के पूरी तरह स्वस्थ होने तक विशेष देखभाल करें।

कलेक्टर धोटे ने इसके बाद बाल गहन चिकित्सा इकाई, शिशु वार्ड, ऑर्थो वार्ड, ऑपरेशन थियेटर, हेल्प डेस्क, दवा वितरण केंद्र, मेटरनिटी वार्ड, ओपीडी और एनआरसी का भी औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने इस दौरान सिविल सर्जन एवं सीएमएचओ से हॉस्पिटल में चिकित्सकों की संख्या, ड्यूटी रोस्टर, दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य जानकारी ली। साथ ही जिन दवाओं की आवश्यकता है और उनका स्टॉक खत्म अथवा कम हैं उनकी डिमांड प्रेषित करने के निर्देश दिये। उन्होंने मेटरनिटी वार्ड के निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ से जिले की मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर की जानकारी ली और कहा कि यहाँ की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि जिले की मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए हर स्तर पर अपनी ट्रैकिंग को और बेहतर करने की आवश्यकता है।

इस दौरान एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, एसडीएम घुघरी श्री सचिन जैन, सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहंती, सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे, जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती शालिनी तिवारी, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्री रोहित बड़कुल, जिला चिकित्सालय प्रबंधक श्री अजय सैयाम सहित अन्य चिकित्सक तथा चिकित्सालय स्टाफ मौजूद रहा।

चिकित्सालय के पार्किंग में करें शर्तों का पालन- कलेक्टर श्री धोटे ने चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान परिसर की पार्किंग का जायजा लिया। यहाँ उन्होंने पार्किंग शुल्क वसूल रहे कर्मियों से पार्किंग नियमों और पर्ची की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में निविदा की शर्तों का उल्लंघन नहीं किया जाए। पार्किंग कर्मचारियों द्वारा दी जा रही जानकारी और पर्चियों में भिन्नता को लेकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और कहा कि शर्तों का पालन करें, निर्धारित समयावधि के लिए तय शुल्क ही वसूल किया जाए।

कवायद

बैकलेन में लग रही हैं चाय की चौपाल

निगम की कवायद से बदली शहर की सूरत

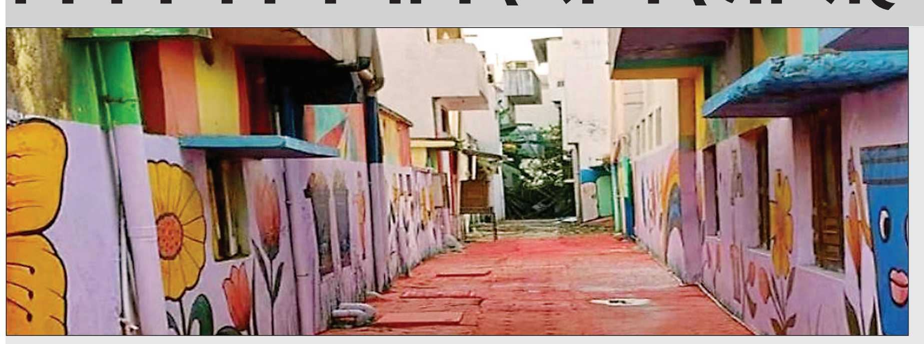

नवभारत, जबलपुर। शहर में इन दिनों स्वच्छता को लेकर वैसी ही हलचल और उत्साह नजर आ रहा है, जैसा अमूमन दीपावली के दीपोत्सव पर दिखाई देता है। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे विशेष कायाकल्प अभियान ने शहर की उन गलियों की तस्वीर बदल दी है, जहाँ कभी गंदगी के ढेर के कारण लोगों को परेशानी होती थी आज उन्हीं 'बैकलेन' में लोग बैठकर कैरम खेल रहे हैं और चाय की चौपाल सजा रहे हैं।

गंदगी के ढेर से 'सेल्फी पॉइंट' तक का सफर

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने इस बार स्वच्छता को केवल कचरा उठाने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे एक उत्सव का रूप दे दिया है। शहर के उन हिस्सों को चिन्हित किया गया जो लंबे समय से उपेक्षित थे। सफाई के बाद इन स्थानों पर आकर्षक स्ट्रीट आर्ट और पेंटिंग की गई है।

जनभागीदारी से बना आंदोलन

निगम की इस तैयारी को देखकर आम जनता में भी जबरदस्त उत्साह है। लोग न केवल इन खूबसूरत दीवारों के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं बल्कि वहां बैठ कर आनंद की अनुभूति भी महसूस कर रहे हैं।

आध्यात्मिक और स्वच्छता थीम की पेंटिंग बनी आकर्षण

शहर की दीवारों पर उकेरी गई आकृतियाँ लोगों को जागरूक भी कर रही हैं और प्रेरित भी। इन पेंटिंग्स में दो मुख्य थीम रखी गई हैं जिसमे शांति और शुचिता का संदेश देती कलाकृतियाँ लोगों के मन को सुकून पहुँचा रही हैं। कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के संदेशों को कला के माध्यम से बेहद रोचक ढंग से दर्शाया गया है।

सब्जी व्यापारी पर चाकू से हमला

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत लटकारी का पड़ाव सब्जी मंडी में बीती रात दो युवकों ने एक सब्जी व्यापारी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को तुरंत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार गढ़ा फाटक निवासी दिनेश उर्फ शरद पटेल (52) लटकारी के पड़ाव में सब्जी का व्यवसाय करता है। बीती रात करीब 10 :30 बजे जब वह मंडी में था, तभी वहां डुग्गू उर्फ प्रिंस रैकवार और क्रिस उर्फ किस्सू ठाकुर पहुंचे। पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने शरद के साथ विवाद करने लगे विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से शरद के पेट और गर्दन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद विक्टोरिया अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।